राष्ट्र नवनिर्माण की आधारशिला है अध्यात्म
ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर में महिला प्रभाग सम्मेलन आरंभ

माउंट आबू 27 जून, राजस्थान राज्यपाल कल्याण सिंह ने कहा कि मूल्यों से जीवन में आत्मविश्वास विकास के साथ निर्भय होकर सामाजिक व वैर्यो तक चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्राप्त होती है। अध्यात्म की शक्ति श्रेष्ठ चिन्तन, कर्म कुशलता का विकास करके एक शक्तिशाली राष्ट्र के नवनिर्माण की आधारशिला तैयार करती है। यह बात उन्होंने शुक्रवार देर शाम ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर में अखिल भारतीय महिला सम्मेलन को संबोधित करते कही।

राज्यपाल सिंह ने नारी में स्वाभाविक रूप से त्याग व सेवाभाव होता है। नारी एक शक्ति के रूप में शिक्षक, संरक्षक व मार्गदर्शक बनकर समाज के विज़िन्न क्षेत्रों में दिनोंदिन मूल्यों में आती गिरावट की रोकथाम में अहम भूमिका अदा कर सकती है। श्रेष्ठ समाज के पुनर्निर्माण की स्थापना को ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय प्राचीन भारतीय समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक विरासत और राजयोग की पद्धति से समूचे विश्व को फिर से आलोकित करने का भगीरथ कार्य कर रहा है।

सांसद राजवीर सिंह ने कहा कि जीवन की सच्चाई को जानकार उसे सहज भाव से स्वीकार कराने की क्षमता ब्रह्माकुमारी बहनों की ओर से दिए जा रहे राजयोग प्रशिक्षण में स्पष्ट झलकती है। डिग्रीयों से संस्कार परिवर्तन नहीं होते हैं इसके लिए नियमित रूप से अध्यात्म का मनन चिंतन करने की जरूरत है।

ज्ञानसरोवर निदेशिका डॉ. निर्मला ने कहा कि महिलाएं परिवार के चरित्र निर्माण की मुज़्य धुर्री हैं। महिलाएं परिवार को एकता के सूत्र में पिरोने के साथ उन्हें संस्कारवान बनाने का अहम कार्य करती हैं। ईश्वरीय ज्ञान को आचरण में लाने से ही जीवन में छाए अंधकार के आवरण का नाश होगा।

महिला प्रभाग अध्यक्षा बी. के चक्रधारी बहन ने कहा कि समाज को नैतिकता की ऊंचाई पर ले जाने में भारतीय महिलाएं सक्षम हैं। बच्चों को ऊंची शिक्षा प्रदान करने के साथ चरित्र निर्माण में भी माताओं को ध्यान देना चाहिए। जब महिलाओं का हृदय विश्व के लिए वात्सलय से भरेगा तो ही जग का कल्याण होने लगेगा। खेल प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बी. के. शशि बहन, संगठन के अधिशासी सचिव बी. के. मृत्युजंय, मुज़्यालय संयोजिक डॉ. सविता बहन आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

अपने आप में सर्वसमर्थ हैं महिलाएं

माउंट आबू 28 जून, महिला एवं बालविकास राज्यमंत्री अनीता भदेल ने कहा कि महिलाएं अपने आप में सर्वसमर्थ हैं बशर्ते उनमें स्वयं की शक्तियों के प्रति चेतना जागृत हो। महिलाओं को अपने शो तस्वरूप को पहचान कर पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों से समाप्त होते मूल्यों को फिर से विकसित करने में आगे आना चाहिए। वे शनिवार को ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में महिला प्रभाग सम्मेलन के उदघाटन सत्र में महिला सहभागियों को संबोधित कर रहीं थीं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में बच्चे मां-बाप के आचरण से ज्यादा सीखते हैं शिक्षा से कम। जितना जोर बच्चों पर शिक्षा की डिग्री लेने के लिए लगाया जाता है उतना ही संस्कारों को श्रेष्ठ बनाने के लिए महत्व देना चाहिए।

हरियाणा पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती सुमन मंजारी ने कहा कि किसी हथियार से वार करने से सशो तकरण नहीं लाया जा सकता, उसके लिए शिक्षा व संस्कार सर्वाधिक अचूक हथियार है।

मुंबई मेयर श्रीमती स्नेह अंबेकर ने कहा कि मूल्यों से संपन्न शिक्षा किसी भी बुराई को धराशयी करने में सर्वसमर्थ है। जीवन व्यवहार को संतुष्टता व प्रसन्नता से भरपूर रखने के लिए मेडिटेशन का अज़्यास अति आवश्यक है।

प्रभाग अध्यक्ष बी. के चक्रधारी बहन ने कहा कि घर के महौल को श्रेष्ठ बनाने के लिए महिलाओं को व्यर्थ की बातों को छोड़ जनहित के लिए अपनी आंतरिक क्षमताओं को बढ़ाने का मनन चिन्तन करना चाहिए।

वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका बी. के. शारदा बहन, मुज़्यालय संयोजक डॉ. सविता अरोड़ा ने राजयोग का अज़्यास करवाते हुए गहन शांति की अनुभूति कराई।